

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।

क्रमांक: ज.वि.प्रा./स.स./बी.पी.सी.(बीपी)/2016/डी-1496

दिनांक: 29/4/2016

श्री कपिल तनेजा,
निदेशक,
गोल्डन ड्यून्स बिल्डर्स एण्ड डवलपर्स प्रा.लि.,
58, कॉस्मो कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर।

विषय:- भूखण्ड संख्या 1, खसरा नम्बर 157, गांव डाबला बुर्जग, तहसील फागी, डिग्गी रोड़, जयपुर के जयपुर के प्रस्तावित EWS/LIG भवन के भवन मानचित्र अनुमोदन बाबत।

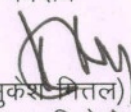
महोदय,

आपका प्रार्थना पत्र दिनांक 26.04.2016 में भूखण्ड संख्या 1, खसरा नम्बर 157, गांव डाबला बुर्जग, तहसील फागी, डिग्गी रोड़, जयपुर के जयपुर में स्थित भूखण्ड (1672.20 वर्गमीटर क्षेत्रफल) पर 12.00 मीटर ऊँचाई (भूतल + 3 तल) के प्रस्तावित EWS/LIG के भवन मानचित्र अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किये गये थे, उनकी स्वीकृति भवन मानचित्र समिति (बी.पी.) की 183वीं बैठक दिनांक 30.05.2016 को निर्णयानुसार निम्न शर्तों के साथ दी जाती है:-

1. यह भवन अनुज्ञा दिनांक 19.05.2023 (दिनांक 20.05.2016 को जारी लीजडीड अनुसार) तक प्रभावी है।
2. भवन निर्माण स्वीकृत मानचित्र के अनुसार ही किया जावेगा तथा किसी भी प्रकार का उल्लंघन (डेवियेशन) नहीं किया जायेगा।
3. भूखण्ड के स्वामी एवं मानचित्र तैयार करने वाले तकनीकीविज्ञ का कर्तव्य होगा कि वो यह सुनिश्चित कर ले कि स्वीकृति मानचित्र प्रचलित मास्टर प्लान/जोनल प्लान के अनुरूप है यदि कोई उल्लंघन जानकारी में नहीं है, प्राधिकरण को अधिकार होगा कि किसी स्थिति में उल्लंघन की जानकारी होने पर भवन मानचित्रों को दी गयी अनुज्ञा रद्द/बदली जा सकती है तथा प्रार्थी प्राधिकरण में किसी भी प्रकार की क्षतिपूर्ति का हकदार नहीं होगा।
4. आप द्वारा भवन विनियम 2010 की धारा 15.2 के अनुसार भवन निर्माण प्रारम्भ करते समय एक सूचना पट्ट मौके पर लगाया जायेगा। जिसमें संबंधित आयुक्त/उपायुक्त संबंधित जोन व प्रवर्तन अधिकारी के टेलीफोन नम्बर इत्यादि अंकित किये जाने होंगे व अनुमोदित मानचित्र की सूचना व अनुमोदन की शर्तें अंकित की जायेगी। निर्माण के दौरान अनुमोदित मानचित्र की एक प्रति आवश्यक रूप से निर्माणकर्ता द्वारा मौके पर रखी जायेगी।
5. निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व आप अधोहस्ताक्षरकर्ता एवं उपायुक्त जोन-14 प्राधिकरण को निर्धारित प्रपत्र में सूचना प्रस्तुत करेंगे।
6. आप द्वारा भवन विनियम 2010 की धारा 15.3 के अनुसार भवन निर्माण द्वारा प्लिन्थ लेवल तक का निर्माण पूर्ण होने की सूचना निर्धारित प्रपत्र में आवश्यक रूप से उपायुक्त जोन 14 को दी जानी होगी, यदि इसकी अनुपालना भवन निर्माता द्वारा नहीं की जाती है तो जारी अनुज्ञा को वापस ले लिया जावेगा।
7. भवन विनियम 2010 की धारा 15.6 के अनुसार भवन विनियम के अपेक्षाओं के अनुरूप भवन निर्माण करने की जिम्मेदारी भवन निर्माण अनुज्ञाधारी की होगी।
8. उक्त स्वीकृति के कारण यदि जयपुर विकास प्राधिकरण को किसी न्यायालय, सक्षम अधिकारी तथा नगर भूमि (अधिकतम सीमा एवं विनियम) अधिनियम के तहत नियुक्त अधिकारी के समक्ष किसी कार्यवाही में कोई भी खर्च, नुकसान, मुआवजा देना पड़े या देने योग्य हो तो प्रार्थी उनकी इस क्षति को पूर्ण करने के लिए बाध्य होगा।
9. दरवाजे एवं खिड़कियाँ इस प्रकार लगाए जायेंगे कि वो सड़क की ओर निकले हुए नहीं हों।
10. स्वामी प्रत्येक मंजिल के लिए स्वीकृत आवासीय ईकाई से अधिक का निर्माण नहीं करेगा।
11. ऊपर वर्णित शर्तों एवं अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी 2009 से संबंधित शर्त का पालन नहीं होने पर भवन अनुज्ञा रद्द मानी जायेगी।
12. स्वामी भवन के परिसर को स्वीकृत उपयोग के अनुसार ही उपयोग में लेगा।
13. तकनीकीविज्ञ के निरीक्षण में स्वामी निर्माण कार्य करवायेगा जिसके संबंध में सूचना प्राधिकरण को पूर्व में देनी होगी। यदि तकनीकीविज्ञ को बदला जाता है तो इसकी सूचना 48 घण्टे के अन्दर यथोचित प्रमाण-पत्र में प्राधिकरण को देनी होगी।
14. स्वीकृत मानचित्र को प्राप्ति दिनांक से राज्य स्तर के समाचार-पत्र में एक सप्ताह में प्रकाशित करने होंगे।
15. स्वीकृत मानचित्र में विभिन्न वर्गों के लिए फ्लेट्स की संख्या के साथ संबंधित कन्स्ट्रक्शन फर्म का नाम निर्माण प्रारम्भ करने की दिनांक व निर्माण पूर्ण करने की संभावित अवधि मौके पर उपयुक्त स्थान पर बोर्ड लगाकर उस पर स्पष्ट रूप से दर्शाने होंगे।
16. आवेदक द्वारा पार्किंग क्षेत्र की पालना भवन विनियम 2011 के विनियम 10.1.8 के अनुसार सुनिश्चित की जानी होगी।
17. भवन परिसर में आगंतुकों की पार्किंग करवाई जाए तथा आगंतुकों हेतु नि:शुल्क वाहन पार्किंग का बोर्ड लगवाया जावे।

18. प्राईवेट डवलपर्स (निजी विकासकर्ता) को मौके पर क्वालिटी कन्ट्रोल लैब स्थापित करनी होगी ताकि निर्माण कार्य की गुणवत्ता की समय-समय पर जाँच की जाए।
19. स्वीकृत मानचित्र मौके पर उपयुक्त स्थान पर बोर्ड लगाकर उस पर स्पष्ट रूप से दर्शाने होंगे।
20. निर्माण स्थल पर स्वीकृति का विवरण अर्थात अनुमोदित मानचित्र, उपलब्ध पार्किंग की सूचना एवं भवन में सुरक्षा एवं निकास प्लान (Escape Plan) का नक्शा भी प्रदर्शित (Display) उपयुक्त स्थान पर प्रदर्शित किया जावे।
21. भवन का उपयोग प्रारंभ होने पर एक केयर टेकर की नियुक्ति की जावे जिसके पास भवन का मानचित्र, सुरक्षा एवं निकास प्लान (Escape Plan) उपलब्ध रहें। इस प्रकार नियुक्त केयर टेकर के मोबाईल नंबर एवं Land Line Number भी लिये जाकर पुलिस आयुक्त जयपुर महानगर व अधोहस्ताक्षरकर्ता को सूचना उपलब्ध करवाई जावे ताकि किसी भी दुर्घटना की स्थिति में बचाव कार्य प्रभावी रूप से किये जा सकें।
22. भवन विनियम 2010 की धारा 17.3 की अनुपालना में "गलत तथ्यों पर प्राप्त की गई अथवा तथ्यों को छुपाकर प्राप्त की गई स्वीकृति स्वतः निरस्त मानी जायेगी एवं ऐसी निर्माण स्वीकृति प्राप्त करने के लिए आवेदनकर्ता को दोषी माना जायेगा।"
23. प्रश्नगत प्रकरण किसी भी न्यायालय में यदि लंबित है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी। यदि मानचित्र जारी होने के पश्चात यह अवगत हुआ कि किसी भी माननीय न्यायालय में प्रकरण लंबित है अथवा विपरीत निहित है तो मानचित्र स्वतः ही निरस्त समझे जावेंगे।
24. अनुमोदित भवन मानचित्रों को भवन निर्माण शुरू किये जाने के समय भवन निर्माता द्वारा एक बोर्ड पर सम्पूर्ण ब्यौरा सहित जो पठनीय हो, को ऐसे स्थल पर (मुख्य सड़क की ओर) लगाया जावे, जिससे सभी लोगों को निर्मित किये जाने वाले भवन के अनुमोदन की पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके।
25. भवन निर्माण के समय निर्माण सामग्री से आसपास के भवनों के निवासकर्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इस हेतु भवन निर्माण के दौरान चारों ओर पर्दे लगवाये जावें।

संलग्न:- मानचित्रों की प्रति का 1 सेट (04 मानचित्र)

भवदीय

 (मुकेश मित्तल)
 वरिष्ठ नगर नियोजक एवं
 सदस्य सचिव
 भवन मानचित्र समिति (बी.पी.)
 जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।

प्रतिलिपि :- सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. मुख्य नियन्त्रक (प्रवर्तन), जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर को मानचित्रों की प्रति (04 मानचित्र) संलग्न कर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित है।
2. उपायुक्त, जोन-14, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर को मानचित्रों की प्रति (04 मानचित्र) संलग्न कर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित है।
3. सहायक नगर नियोजक, जोन-14, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर को मानचित्रों की प्रति (04 मानचित्र) संलग्न कर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित है।
4. उप नगर नियोजक, बीपीसी-बीपी, जविप्रा, जयपुर को साईट निरीक्षण पत्रावली हेतु मानचित्रों की प्रति (04 मानचित्र) संलग्न कर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

(मुकेश मित्तल)
 वरिष्ठ नगर नियोजक एवं
 सदस्य सचिव
 भवन मानचित्र समिति (बी.पी.)
 जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।

ज.वि.प्रा./स.स./बी.पी.सी.(बीपी)/2016/डी- 30

दिनांक:- 4/1/2017

श्री कपिल तनेजा,
निदेशक,
गोल्डन इयून्स बिल्डर्स एण्ड डवलपर्स प्रा.लि.,
58, कॉस्मो कॉलोनी,
वैशाली नगर, जयपुर।

विषय:- भूखण्ड संख्या 5, कुबेर कॉम्प्लेक्स, गांधी पथ, वैशाली नगर, जयपुर के प्रस्तावित ग्रुप हाउसिंग के भवन मानचित्र अनुमोदन बाबत।

महोदय,

आपका प्रार्थना पत्र दिनांक 01.11.2015 के संदर्भ में जो प्रस्ताव भूखण्ड संख्या 5, कुबेर कॉम्प्लेक्स, गांधी पथ, वैशाली नगर, जयपुर में स्थित भूखण्ड (7185.78) पर 60 मीटर ऊँचाई (बेसमेन्ट-1 + बेसमेन्ट-2 + भूतल + 18 मंजिल) के प्रस्तावित ग्रुप हाउसिंग मानचित्र भवन मानचित्र समिति (बीपी) की 180वीं बैठक दिनांक 22.02.2016 को प्रस्तुत किये गये थे, उनकी स्वीकृति भवन मानचित्र समिति (बीपी) की 180वीं बैठक दिनांक 22.02.2016 के निर्णयानुसार निम्न शर्तों के साथ दी जाती है:-

1. यह भवन अनुज्ञा दिनांक 18.10.2018 (दिनांक 19.10.2015 को जारी लीजडीड के बिन्दु संख्या 8 के अनुसार) तक प्रभावी है।
2. भवन निर्माण स्वीकृत मानचित्र के अनुसार ही किया जावेगा तथा किसी भी प्रकार का उल्लंघन (डेवियेशन) नहीं किया जायेगा।
3. भूखण्ड के स्वामी एवं मानचित्र तैयार करने वाले तकनीकीविज्ञ का कर्तव्य होगा कि वो यह सुनिश्चित कर ले कि स्वीकृति मानचित्र प्रचलित मास्टर प्लान/जोनल प्लान/भवन विनियमों के अनुरूप है। यदि कोई उल्लंघन प्राधिकरण की जानकारी में आया तो प्राधिकरण को भवन मानचित्रों की दी गयी अनुज्ञा रद्द करने का अधिकार होगा तथा प्राधिकरण से प्रार्थी को किसी भी प्रकार की क्षतिपूर्ति का हक नहीं होगा।
4. आप द्वारा भवन विनियम 2010 की धारा 15.2 के अनुसार भवन निर्माण प्रारम्भ करते समय एक सूचना पट्ट मौके पर लगाया जायेगा। जिसमें संबंधित आयुक्त/उपायुक्त संबंधित जोन व प्रवर्तन अधिकारी के टेलीफोन नम्बर इत्यादि अंकित किये जाने होंगे व अनुमोदित मानचित्र की सूचना व अनुमोदन की शर्तें अंकित की जायेगी। निर्माण के दौरान अनुमोदित मानचित्र की एक प्रति आवश्यक रूप से निर्माणकर्ता द्वारा मौके पर रखी जायेगी।
5. निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व आप अधोहस्ताक्षरकर्ता एवं उपायुक्त जोन-07 प्राधिकरण को निर्धारित प्रपत्र में सूचना प्रस्तुत करेंगे।
6. आप द्वारा भवन विनियम 2010 की धारा 15.3 के अनुसार भवन निर्माणकर्ता द्वारा प्लिन्थ लेवल तक का निर्माण पूर्ण होने की सूचना निर्धारित प्रपत्र में आवश्यक रूप से संबंधित उपायुक्त जोन 07 को दी जानी होगी, यदि इसकी अनुपालना भवन निर्माता द्वारा नहीं की जाती है तो जारी अनुज्ञा को वापस ले लिया जावेगा।
7. भवन विनियम 2010 की धारा 15.6 के अनुसार भवन विनियम के अपेक्षाओं के अनुरूप भवन निर्माण करने की जिम्मेदारी भवन निर्माण अनुज्ञाधारी की होगी।
8. उक्त स्वीकृति के कारण यदि जयपुर विकास प्राधिकरण को किसी न्यायालय, सक्षम अधिकारी तथा नगर भूमि (अधिकतम सीमा एवं विनियम) अधिनियम के तहत नियुक्त अधिकारी के समक्ष किसी कार्यवाही में कोई भी खर्च, नुकसान, मुआवजा देना पड़े या देने योग्य हो तो प्रार्थी उनकी इस क्षति को पूर्ण करने के लिए बाध्य होगा।
9. दरवाजे एवं खिडकियाँ इस प्रकार लगाए जायें कि वो सड़क की ओर निकले हुए नहीं हों।
10. स्वामी प्रत्येक मंजिल के लिए स्वीकृत ग्रुप हाउसिंग ईकाई से अधिक का निर्माण नहीं करेगा।
11. ऊपर वर्णित शर्तों एवं अन्य कोई संबंधित शर्त का पालन नहीं होने पर भवन अनुज्ञा रद्द मानी जायेगी।
12. स्वामी भवन के परिसर को स्वीकृत उपयोग के अनुसार ही उपयोग में लेगा।
13. तकनीकीविज्ञ के निरीक्षण में स्वामी निर्माण कार्य करवायेगा जिसके संबंध में सूचना प्राधिकरण को पूर्व में देनी होगी। यदि तकनीकीविज्ञ को बदला जाता है तो इसकी सूचना 48 घंटे के अन्दर यथोचित प्रमाण-पत्र में प्राधिकरण को देनी होगी।
14. स्वीकृत मानचित्र को प्राप्ति दिनांक से राज्य स्तर के समाचार-पत्र में एक सप्ताह में प्रकाशित करने होंगे तथा इसकी सूचना संबंधित उपायुक्त जोन को देगा।
15. आवेदक द्वारा पार्किंग क्षेत्र की पालना भवन विनियम 2011 के विनियम 10.1.8 के अनुसार सुनिश्चित की जानी होगी।
16. भवन परिसर में ही आगुन्तकों की पार्किंग करवाई जावे तथा आगुन्तकों हेतु निःशुल्क वाहन पार्किंग का बोर्ड लगवाया जावे।
17. भवन विनियम की धारा 16.5 की अनुपालना में भवन में भूकम्परोधी प्रावधान रखा जाना सुनिश्चित किया जावे।

18. अग्निशमन दृष्टि से सक्षम अधिकारी द्वारा दिये गये अनापत्ति प्रमाण पत्र की शर्तों की पालना सुनिश्चित की जानी आवश्यक होगी तथा भवन की आवश्यकतानुसार अग्निशमन यंत्र (Fire Extinguisher) रखे जावें तथा इनको संचालित करने के लिये प्रशिक्षित व्यक्ति ऐसे भवन में हर समय उपलब्ध रहें।
19. निर्माण स्थल पर स्वीकृति का विवरण अर्थात् अनुमोदित मानचित्र, उपलब्ध पार्किंग की सूचना एवं भवन में सुरक्षा एवं निकास प्लान (Escape Plan) का नक्शा भी प्रदर्शित (Display) उपयुक्त स्थान पर प्रदर्शित किया जावें।
20. अधिवास प्रमाण पत्र भवन निर्मित होने के उपरान्त आवश्यक रूप से लिया जाना होगा।
21. भवन का उपयोग प्रारंभ होने पर एक केयर टेकर की नियुक्ति की जावें जिसके पास भवन का मानचित्र, सुरक्षा एवं निकास प्लान (Escape Plan) उपलब्ध रहें। इस प्रकार नियुक्त केयर टेकर के मोबाईल नंबर एवं Land Line Number भी लिये जाकर पुलिस आयुक्त जयपुर महानगर व अधोहस्ताक्षरकर्ता को सूचना उपलब्ध करवाई जावें ताकि किसी भी दुर्घटना की स्थिति में बचाव कार्य प्रभावी रूप से किये जा सकें।
22. भवन विनियम 2010 की धारा 17.3 की अनुपालना में "गलत तथ्यों पर प्राप्त की गई अथवा तथ्यों को छुपाकर प्राप्त की गई स्वीकृति स्वतः निरस्त मानी जायेगी एवं ऐसी निर्माण स्वीकृति प्राप्त करने के लिए आवेदनकर्ता को दोषी माना जायेगा।"
27. पर्यावरण प्रदूषण विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की अनुपालना आप द्वारा सुनिश्चित की जानी होगी।
28. प्रश्नगत प्रकरण किसी भी न्यायालय में यदि लंबित है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी। यदि मानचित्र जारी होने के पश्चात यह अवगत हुआ कि किसी भी माननीय न्यायालय में प्रकरण लंबित है अथवा विपरीत निहित है तो मानचित्र स्वतः ही निरस्त समझे जावेंगे।
29. अनुमोदित भवन मानचित्रों को भवन निर्माण शुरू किये जाने के समय भवन निर्माता द्वारा एक बोर्ड पर सम्पूर्ण ब्यौरा सहित जो पठनीय हो, को ऐसे स्थल पर (मुख्य सड़क की ओर) लगाया जावे, जिससे सभी लोगों को निर्मित किये जाने वाले भवन के अनुमोदन की पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके।
30. भवन निर्माण के समय निर्माण सामग्री से आसपास के भवनों के निवासकर्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इस हेतु भवन निर्माण के दौरान चारों ओर पर्दे लगवाये जावें।
26. राज्य सरकार के आदेश दिनांक 02.05.2012 के बिन्दु संख्या 1.5 अनुसार EWS/LIG की स्वीकृति जारी होने के तीन माह की अवधि में निर्माण कार्य प्रारम्भ करना आवश्यक होगा तथा इन EWS/LIG इकाईयों के निर्माण कार्य के लिए 2 वर्ष की अधिकतम सीमा होगी।
27. उक्त आदेश के बिन्दु संख्या 1.6 के अनुसार यदि अधिकतम 3 माह के अन्दर EWS/LIG इकाईयों के निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं किया जाता है तो निम्नानुसार शास्ति देय होगी:-

प्रथम माह -	25 / रुपये- Per sq. ft (EWS/LIG के क्षेत्रफल पर)
द्वितीय माह-	50 / रुपये- Per sq. ft (EWS/LIG के क्षेत्रफल पर)
तृतीय माह-	100 / रुपये- Per sq. ft (EWS/LIG के क्षेत्रफल पर)

यदि छः माह में भी EWS/LIG इकाईयों का निर्माण प्रारम्भ नहीं किया जाता है तो मुख्य भवन के निर्माण कार्य को रूकवा दिया जायेगा तथा उसे अनाधिकृत निर्माण की श्रेणी में मानते हुए ध्वस्त भी किया जा सकेगा।"

संलग्न:- मानचित्रों की प्रति का 1 सेट (13 मानचित्र)

भवदीय

(नीरज तिवाड़ी)

वरिष्ठ नगर नियोजक एवं

सदस्य सचिव

भवन मानचित्र समिति (बी.पी.)

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।

प्रतिलिपि:- सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. मुख्य नियन्त्रक (प्रवर्तन), जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर को मानचित्रों की एक प्रति (13 मानचित्र) संलग्न कर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित है।
2. उपायुक्त, जोन-07, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर को मानचित्रों की एक प्रति (13 मानचित्र) संलग्न कर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित है।
3. सहायक नगर नियोजक, जोन-07, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर को मानचित्रों की एक प्रति (13 मानचित्र) संलग्न कर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित है।
4. उप नगर नियोजक-बीपीसी (बी.पी.), जयपुर, जयपुर को मानचित्रों की एक प्रति (13 मानचित्र) संलग्न कर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित है।
5. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, राजस्थान राज्य विद्युत वितरण निगम लि0 विद्युत भवन जनपथ, जयपुर को सूचनार्थ प्रेषित है।
6. मुख्य अभियन्ता, मुख्यालय जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग हसनपुरा रोड, रेल्वे हॉस्पिटल के पास, जयपुर को सूचनार्थ प्रेषित है।

(नीरज तिवाड़ी)

वरिष्ठ नगर नियोजक एवं

सदस्य सचिव

भवन मानचित्र समिति (बी.पी.)

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।

LOWER BASEMENT FLOOR PLAN

PROJECT NO. 100-000000-0000
SHEET NO. 02
DATE: 10/10/2018
DRAWN BY: J. L. HARRIS
CHECKED BY: J. L. HARRIS
APPROVED BY: J. L. HARRIS

49.13

57.17

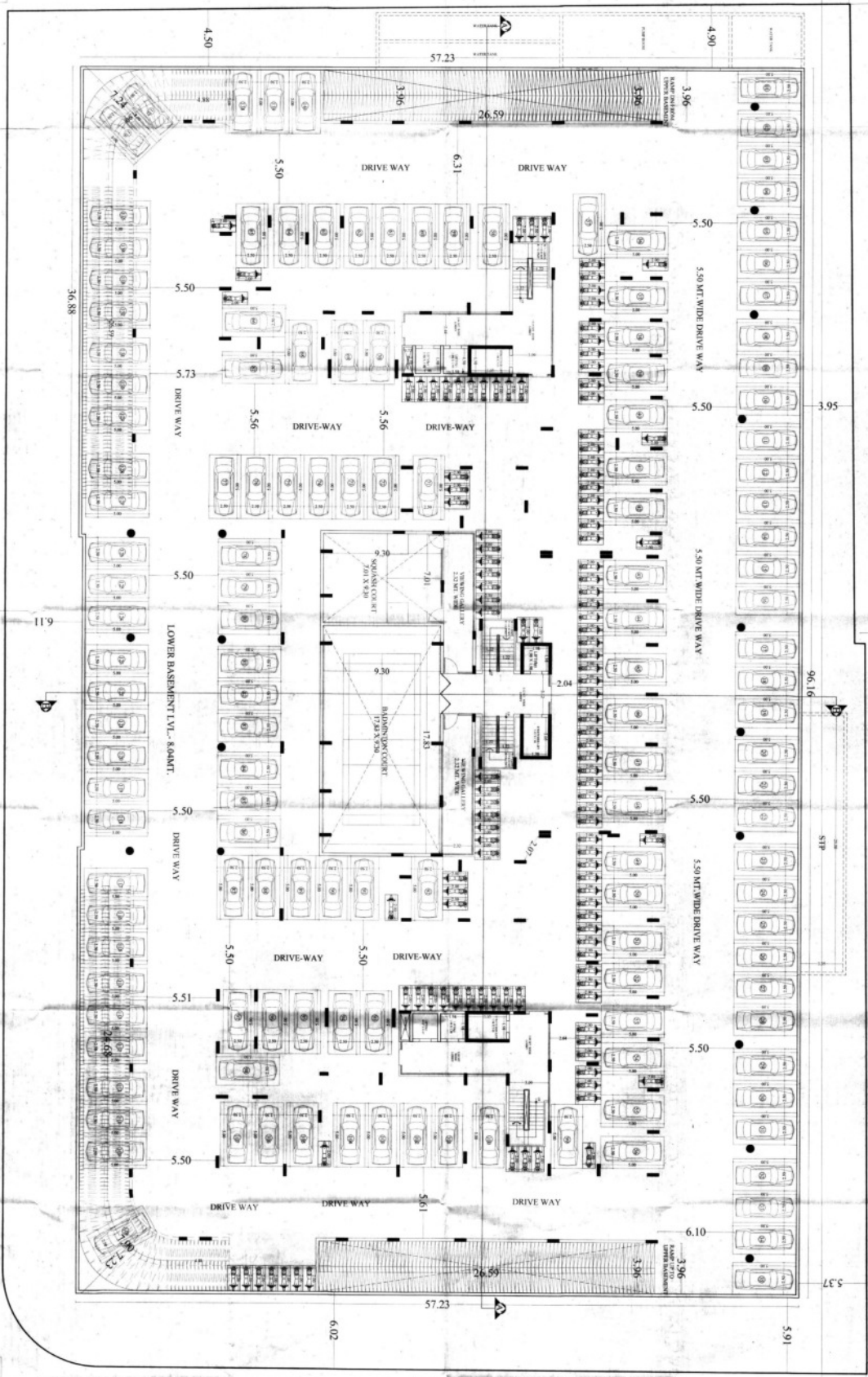
5.37

5.91

66.64

68.45

ROAD



30 M. WIDE ROAD

106.21

SHEET NO. 02

LOWER BASEMENT FLOOR PLAN

DATE: 10/10/2018

DRAWN BY: J. L. HARRIS

CHECKED BY: J. L. HARRIS

APPROVED BY: J. L. HARRIS

PROJECT TITLE:

LOWER BASEMENT FLOOR PLAN

PROJECT NO.:

100-000000-0000

DATE:

10/10/2018

DRAWN BY:

J. L. HARRIS

CHECKED BY:

J. L. HARRIS

APPROVED BY:

J. L. HARRIS

SCALE:

1:100

NORTH POINT:

N

IDEAS

ARCHITECTURAL FIRM

100-000000-0000

10/10/2018



REVISIONS

NO.	DESCRIPTION	DATE
1	ISSUED FOR PERMIT	10/10/2023
2	FOR APPROVAL	10/10/2023
3	FOR APPROVAL	10/10/2023
4	FOR APPROVAL	10/10/2023
5	FOR APPROVAL	10/10/2023
6	FOR APPROVAL	10/10/2023
7	FOR APPROVAL	10/10/2023
8	FOR APPROVAL	10/10/2023
9	FOR APPROVAL	10/10/2023
10	FOR APPROVAL	10/10/2023



ROAD

DRAWING TITLE
TYPICAL FLOOR PLAN
(1ST TO 6TH FLOOR)

PROJECT TITLE:
GURUPUR HOUSING AT PLOT NO. 5
SCHEME: KURBA COMPLEX AT VILLAGE
BUDHAPUR, IN DISTRICT NO. 108410248
ON 04/08/2023, 10:00 AM, 10/10/2023



SCALE: 1:100
NORTH POINT

ARCHITECT
DESIGNER
DRAWN BY
CHECKED BY
DATE



DRAWING TITLE
TYPICAL FLOOR PLAN
(8th, 10th, 12th, 14th floor)

PROJECT TITLE:
PROPOSED GROUND FLOORING AT PLOT NO. 3
IN THE CITY OF RAIPUR, DISTRICT OF RAIPUR,
CHHATTISGARH, INDIA. PROJECT NO. 10/12/2018
ON GANDHI PATIL THERMAL AND RUSTAL - JAMPUR

SCALE: 1:100
NORTH POINT N

Ideas
ARCHITECTURE
CONSULTANTS
PVT. LTD.

DATE: 10/12/2018
DRAWN BY: [Signature]
CHECKED BY: [Signature]
APPROVED BY: [Signature]



16TH FLOOR PLAN

16TH FLOOR PLAN



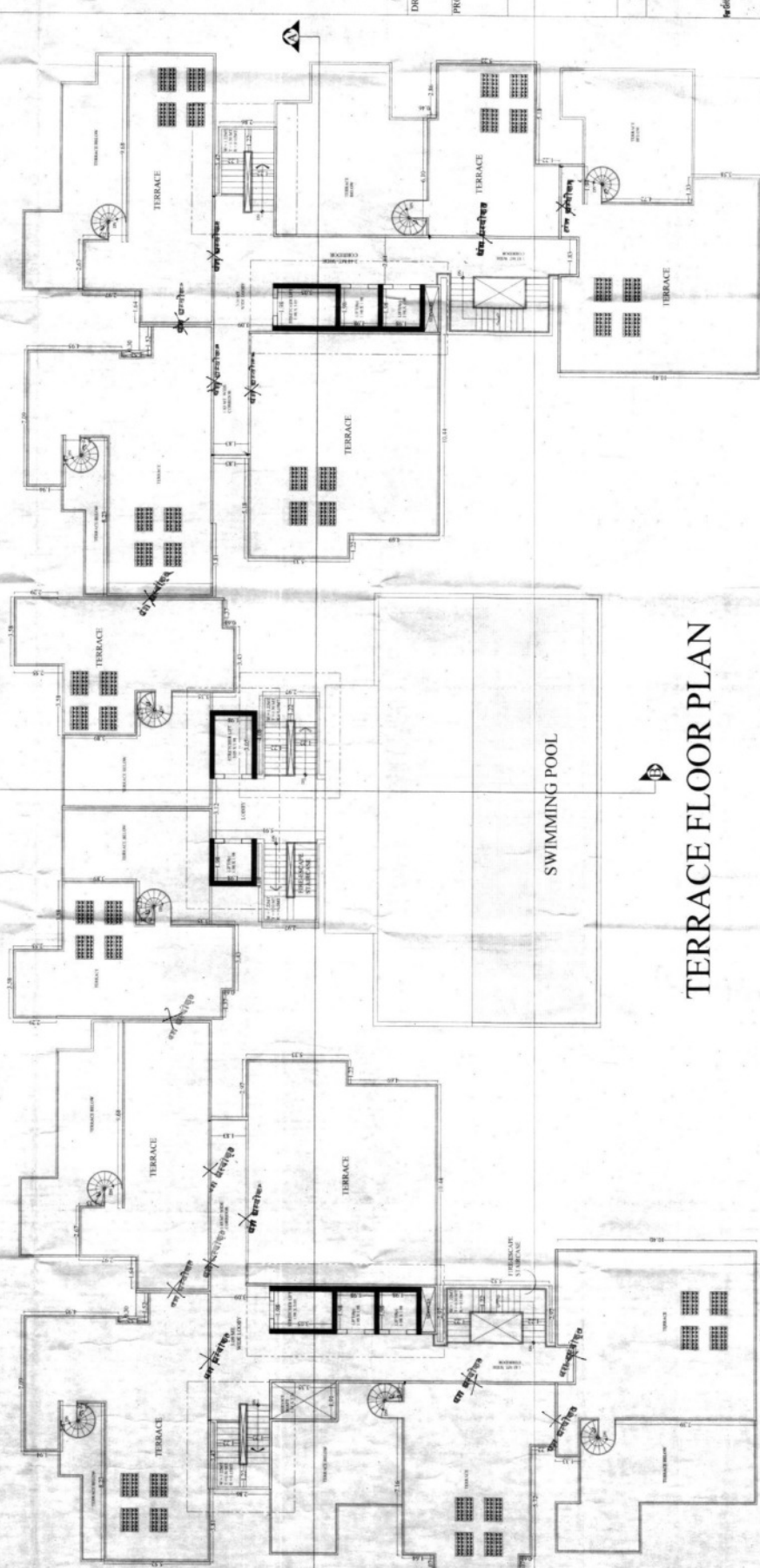
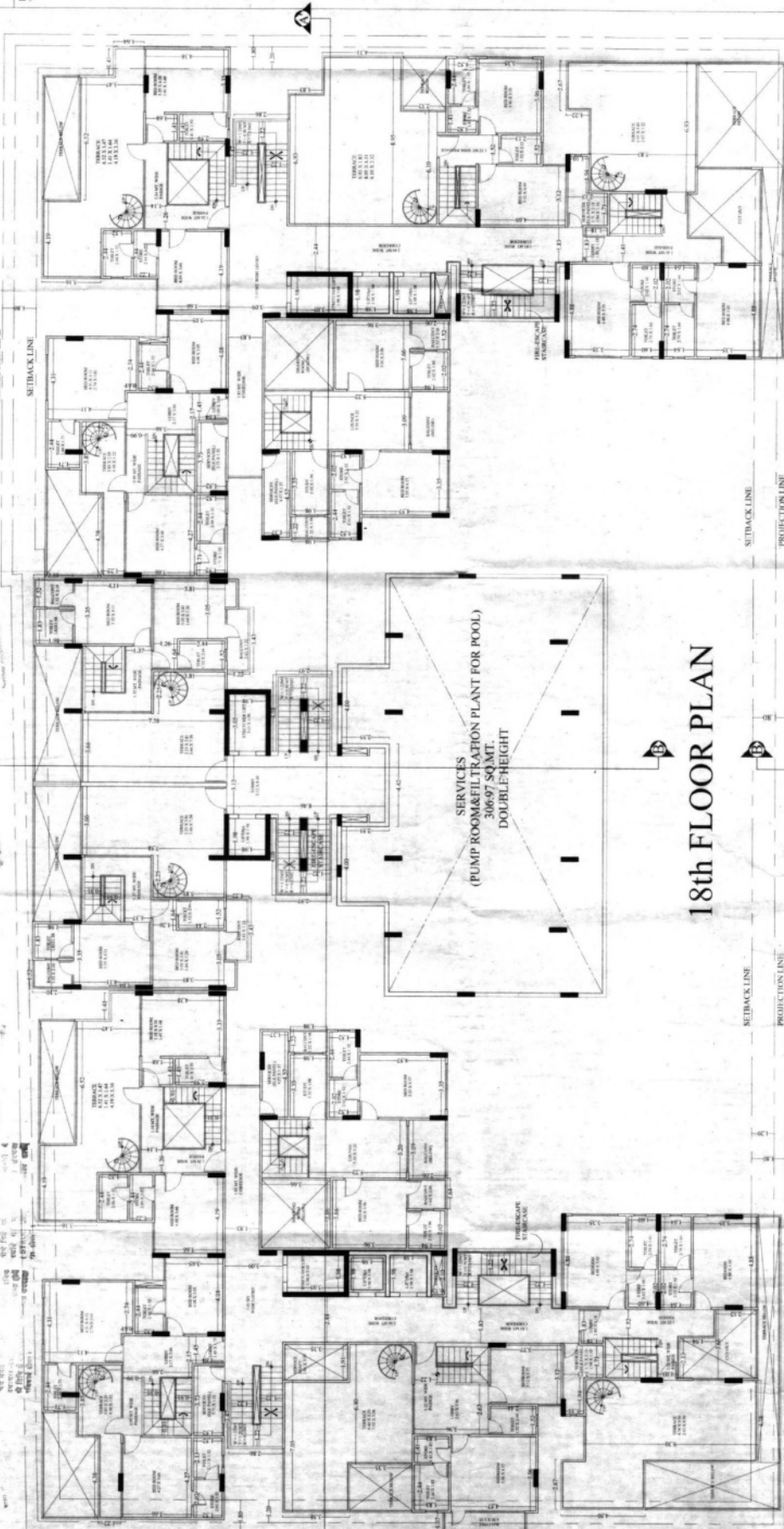
NORTH POINT

For Customer's Use only Customer's Name: _____ Customer's Address: _____ Customer's Phone: _____ Customer's Email: _____	OWNER
 GYANENDRA SINGH SHEKHAWAT Architect CA/9722206	ARCHITECT

1. All dimensions are in meters unless otherwise specified.
2. All areas are in square meters unless otherwise specified.
3. All heights are in meters unless otherwise specified.
4. All materials are to be of the best quality unless otherwise specified.
5. All work is to be in accordance with the latest edition of the Malaysian Building Code of Practice (MBCP) and the relevant standards of the Malaysian Standards (MS) and the International Standards (ISO).
6. All work is to be in accordance with the latest edition of the Malaysian Building Code of Practice (MBCP) and the relevant standards of the Malaysian Standards (MS) and the International Standards (ISO).
7. All work is to be in accordance with the latest edition of the Malaysian Building Code of Practice (MBCP) and the relevant standards of the Malaysian Standards (MS) and the International Standards (ISO).
8. All work is to be in accordance with the latest edition of the Malaysian Building Code of Practice (MBCP) and the relevant standards of the Malaysian Standards (MS) and the International Standards (ISO).
9. All work is to be in accordance with the latest edition of the Malaysian Building Code of Practice (MBCP) and the relevant standards of the Malaysian Standards (MS) and the International Standards (ISO).
10. All work is to be in accordance with the latest edition of the Malaysian Building Code of Practice (MBCP) and the relevant standards of the Malaysian Standards (MS) and the International Standards (ISO).

SERVICES
(PUMP ROOM & FILTRATION PLANT FOR POOL)
306.97 SQMT.
DOUBLE HEIGHT

18th FLOOR PLAN



TERRACE FLOOR PLAN

DRAWING TITLE
18TH FLOOR PLAN &
TERRACE FLOOR PLAN

PROJECT TITLE:
PROPOSED DEVELOPMENT AT PLOT NO. 5
SPECIAL INDUSTRIAL ZONE (SIZ) IN KUALA
BERED KHATIR, IN KUALA BERED KHATIR
ON GANDHI PATHESEL - JALAN RUMAH - JALAN

ideas
ARCHITECTURE IDEAS PLANNING INTERIORS
12A, JALAN KUALA KANGAR, KUALA KANGAR, PERAK
PHONE: 016-2700000

SCALE 1:100

NORTH POINT

OWNER

ARCHITECT

DATE: 1/1/07

APPROVED FOR CONSTRUCTION
 DATE: 10/10/2018
 BY: [Signature]
 PROJECT: [Project Name]



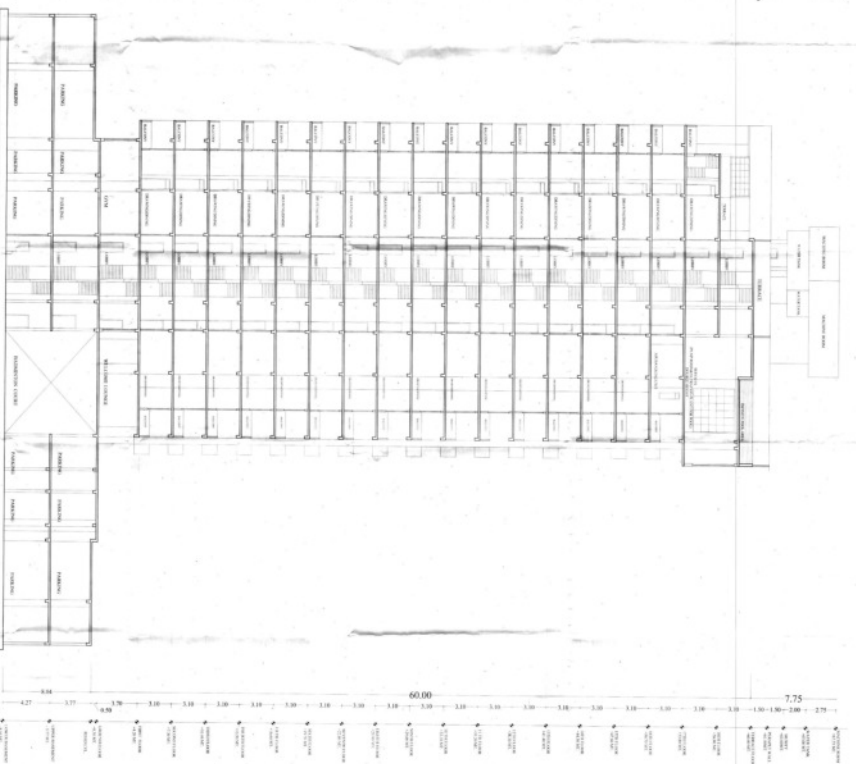
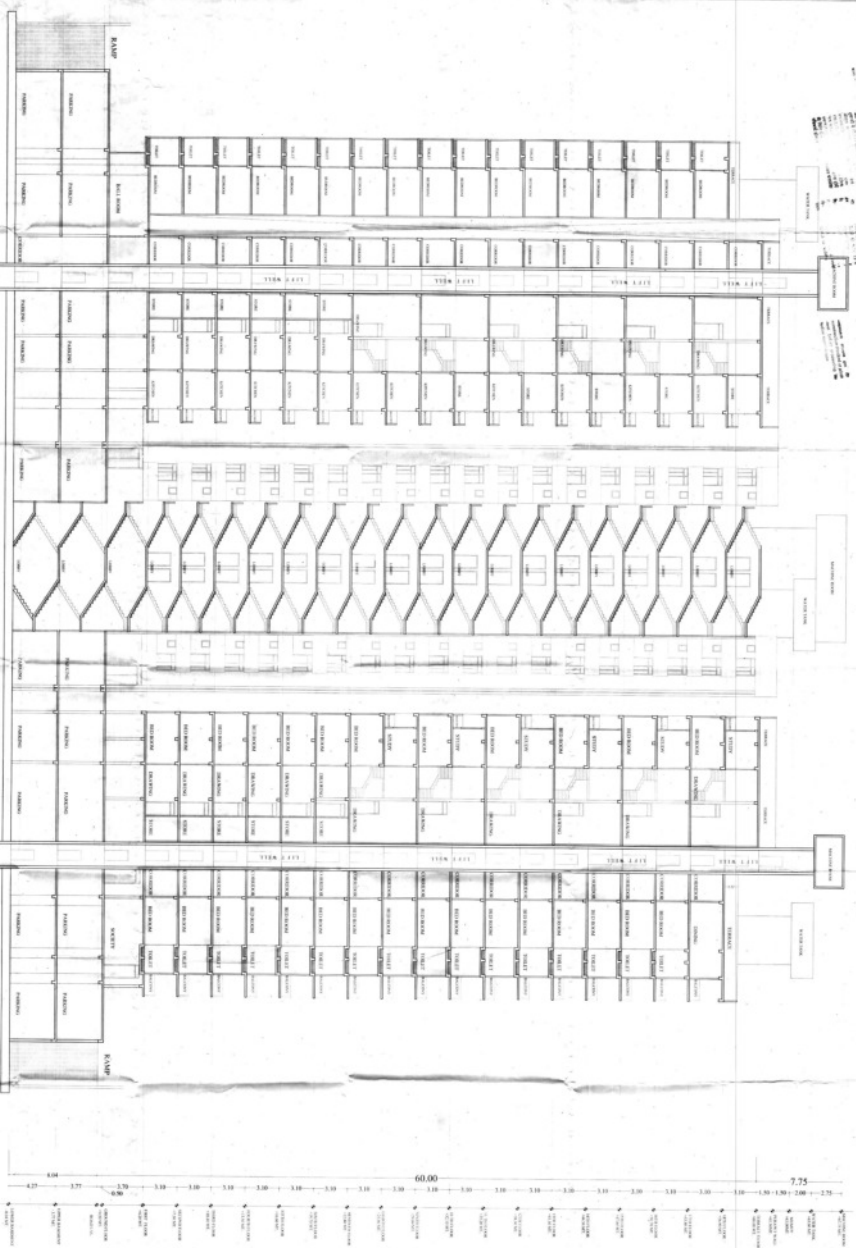
SCALE: 1/4" = 1'-0"

SECTIONS

SECTION - A-A
 SECTION - B-B

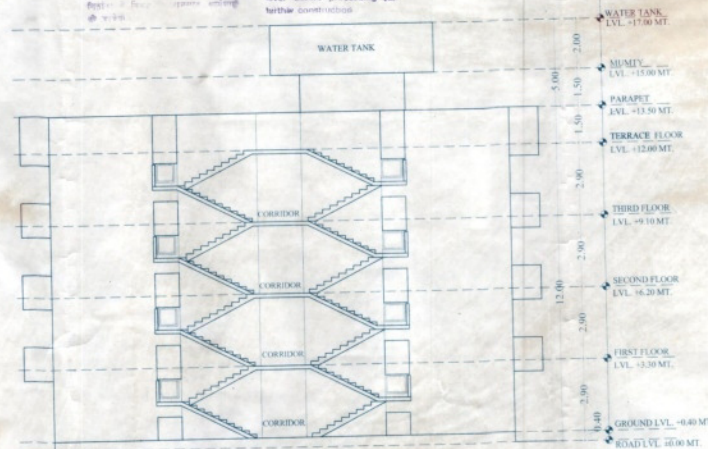
SECTION -A-A

SECTION -B-B

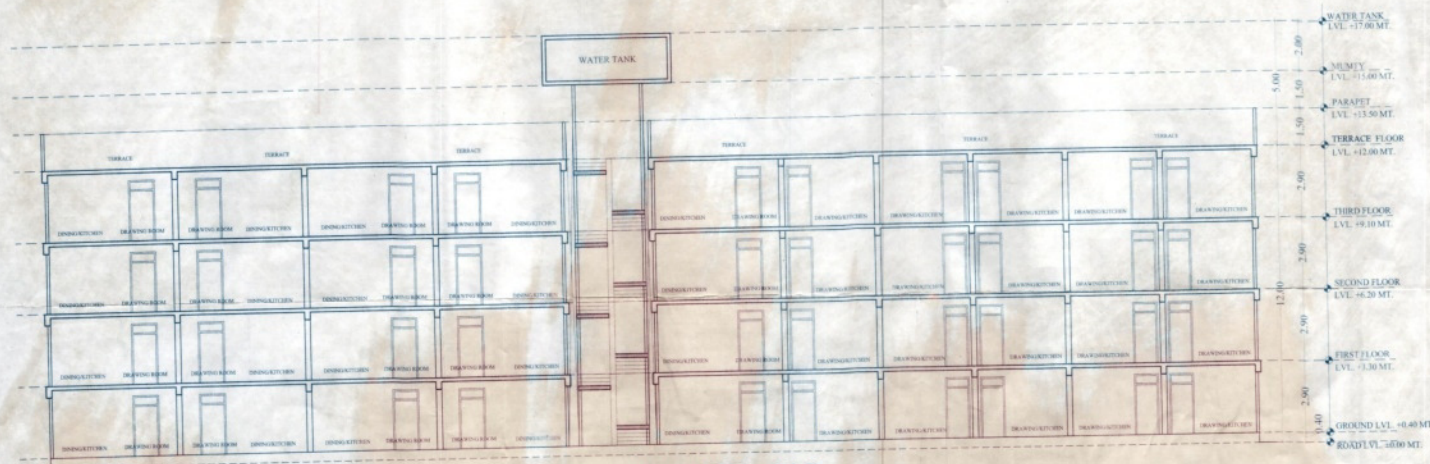


Applicant should get the construction checked at pilot level before proceeding the further construction.

एक सांस्कृतिक का सामुदायिक पहिचान की पहिचान
 असाधारण भूमिका निभाए के प्रति प्रयास का
 स्वागत-योग्य नहीं है। वेदा और दृष्टि
 इनकी विचारों के माध्यम से विचारों
 की प्रसारण के लिए।
 विवेक विवेक के लिए प्रयासों के
 संविदे संवेदन के माध्यम का संवेदन
 [STRUCTURE] का पहिचान प्राप्त
 "न होना"।



SECTION - A'-A



SECTION - B'-B

SECTIONS

PROPOSED E.W.S./L.I.G. FLAT AT PLOT NO. 1
KHASRA NO. 157, AT VILLAGE:- DABLA BUJURG,
TEHSIL - PHAGI, DIGGI ROAD, JAIPUR.



SCALE 1:100

NORTH POINT



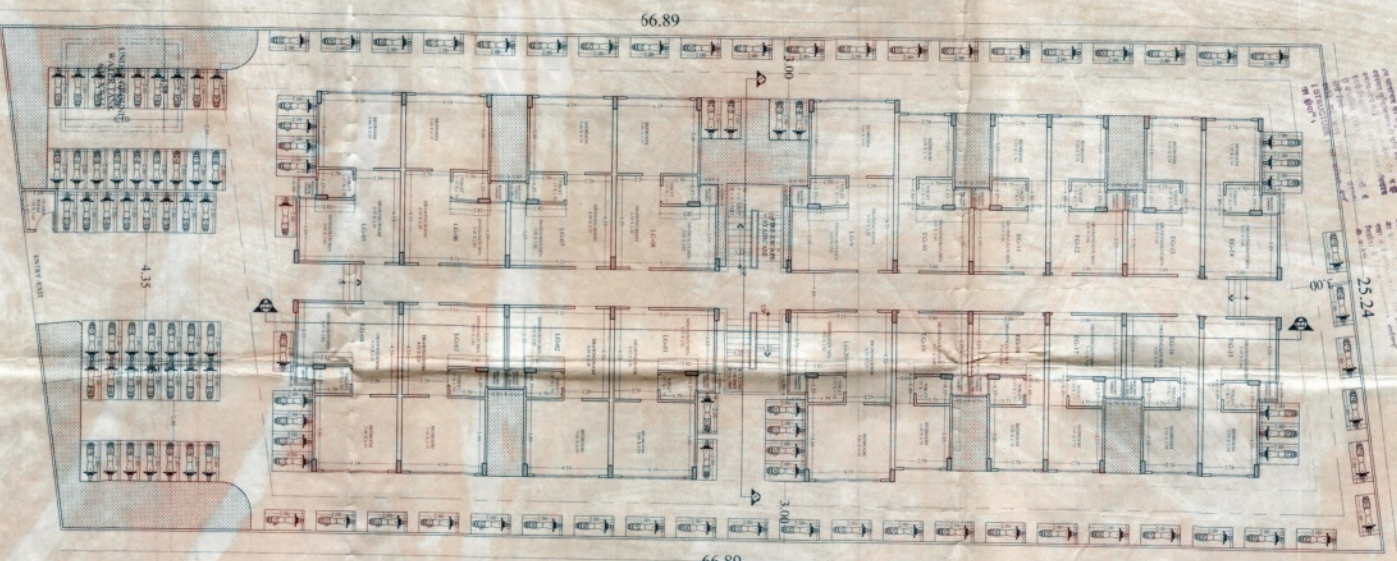
For Colloids and Developers Pvt. Ltd.

GYANENDRA SINGH SHEKHAWAT
Architect
CA/07/22030

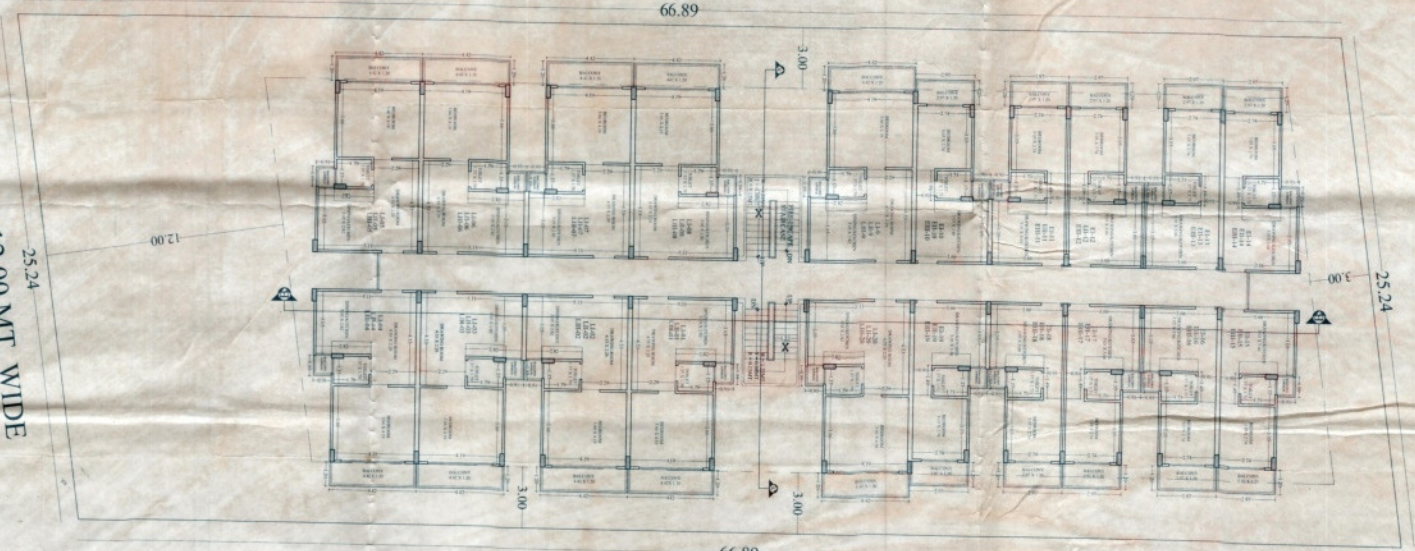
OWNER

ARCHITECT

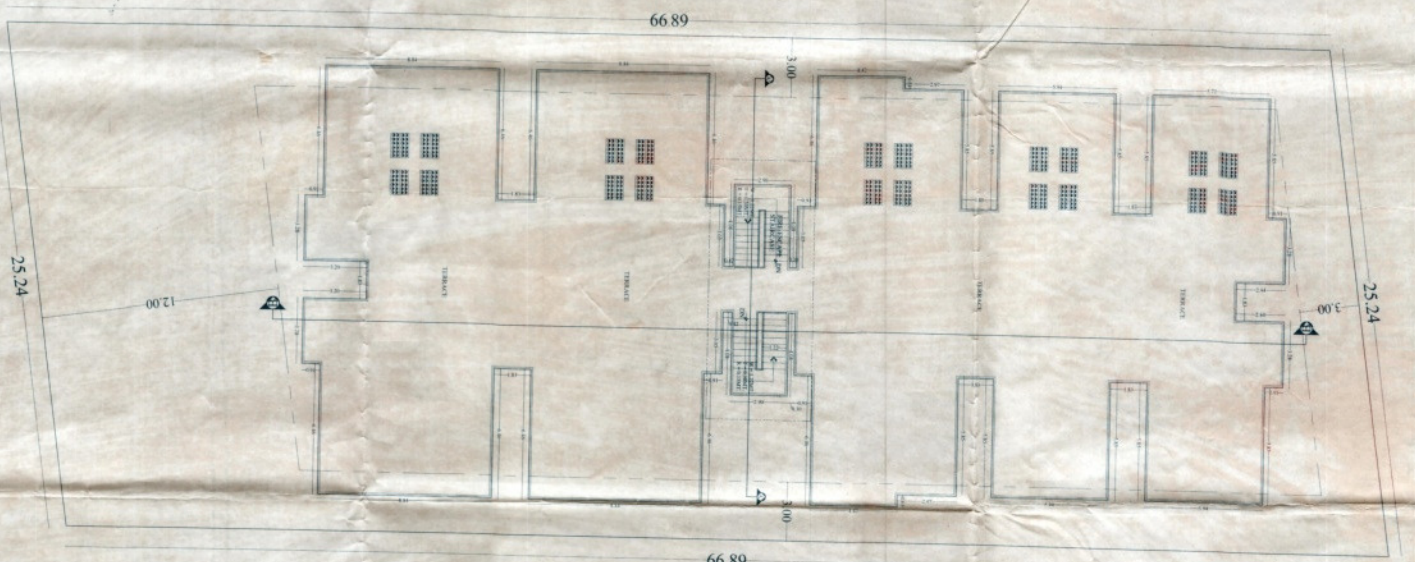
NOTES:
 1. ALL DIMENSIONS ARE IN METERS.
 2. ALL DIMENSIONS ARE TO FACE UNLESS OTHERWISE SPECIFIED.
 3. ALL DIMENSIONS ARE TO FACE UNLESS OTHERWISE SPECIFIED.
 4. ALL DIMENSIONS ARE TO FACE UNLESS OTHERWISE SPECIFIED.
 5. ALL DIMENSIONS ARE TO FACE UNLESS OTHERWISE SPECIFIED.
 6. ALL DIMENSIONS ARE TO FACE UNLESS OTHERWISE SPECIFIED.
 7. ALL DIMENSIONS ARE TO FACE UNLESS OTHERWISE SPECIFIED.
 8. ALL DIMENSIONS ARE TO FACE UNLESS OTHERWISE SPECIFIED.
 9. ALL DIMENSIONS ARE TO FACE UNLESS OTHERWISE SPECIFIED.
 10. ALL DIMENSIONS ARE TO FACE UNLESS OTHERWISE SPECIFIED.



GROUND FLOOR PLAN



ROAD 12.00 MT. WIDE
 TYPICAL FLOOR PLAN (1ST TO 3 RD)



TERRACE FLOOR PLAN